भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
20.12.2023 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2812 का उत्तर

तीव्र गति वाली यात्री रेलगाड़ियां

2812. श्री हेमन्त पाटिल:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विभिन्न रेल मंडलों में वंदे भारत रेलगाड़ियां आरम्भ करने का विचार है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार ने तीव्र गति वाली यात्री रेलगाड़ियों के लिए इंजीनियरिंग और स्टेशन अवसंरचना के उन्नयन हेतु केरल के किसी रेलवे स्टेशन पर व्यवहार्यता अध्ययन कराने का निर्णय लिया है; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

s.k

तीव्र गति वाली यात्री रेलगाड़ियों के संबंध में दिनांक 20.12.2023 को लोक सभा में श्री हेमन्त पाटिल के अतारांकित प्रश्न सं. 2812 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (घ): जैसा कि रेल नेटवर्क राज्यों की/क्षेत्रीय सीमाओं के आर-पार सर्वत्र फैला हुआ है, अत: नेटवर्क की आवश्यकता के अनुसार वंदे भारत सहित रेलगाड़ी सेवाएं ऐसी सीमाओं के आर-पार शुरू की जाती हैं। इसके अलावा, भारतीय रेल में नई वंदे भारत रेलगाड़ी सेवाओं की शुरूआत एक सतत प्रक्रिया है जो कि यातायात औचित्य, परिचालनिक व्यवहार्यता, संसाधनों की उपलब्धता आदि के अध्यधीन है।

हाल ही में रेल मंत्रालय द्वारा भारतीय रेल के रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए 'अमृत भारत स्टेशन' योजना शुरू की गई है। इस योजना में दीर्घकालिक विधि के साथ सतत आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की संकल्पना की गई है। इसमें प्रत्येक रेलवे स्टेशन पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मास्टर प्लान तैयार करना और रेलवे स्टेशनों पर सुविधाओं जैसे स्टेशन तक पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय में यथा आवश्यक सुधार, आवश्यकता के अनुसार लिफ्ट/एस्केलेटर, स्वच्छता, मुफ्त वाई-फाई, 'वन स्टेशन वन प्रोडक्ट' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए नामोदिष्ट स्थान, भूदृश्य निर्माण आदि के लिए उनका चरणों में कार्यान्वयन शामिल है।

इस योजना में लंबी अवधि के दौरान स्टेशन इमारत में सुधार, रेलवे स्टेशन का शहर की दोनों तरफ के साथ एकीकरण, मल्टी-मोडाल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था, आवश्यकता, चरणबद्धता एवं व्यवहार्यता के अनुसार 'रूफ प्लाजा', और रेलवे स्टेशन पर सिटी सेन्टर्स के निर्माण की संकल्पना की गई है। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत

कुल 1309 रेलवे स्टेशनों का चयन किया गया है जिनमें केरल में 35 रेलवे स्टेशन शामिल हैं, नामत आलप्पुष़ा, अंगाडिप्पुरम, अंगमालि - कालडि, चालक्कुडी, चंगनाशेरी, चेंगन्नूर, विरयिनकीष़, एरणाकुलम, एरणाकुलम टाउन, एट्टुमानूर, फ़रोक, गुरुवायूर, कासरगोड, कायमकुलम, कोल्ल्लम, कोषिक्कोड, कुट्टिप्पुरम, मावेलिक्करा, नेय्याट्टिनकरा, निलंबूर रोड, ओट्टप्पालम, परप्पननंगाडि, पय्यन्नूर, पुनलूर, षोरणूर जं., तलश्शेरी, तिरुवनंतपुरम, तृश्शूर, तिरूर, तिरुवल्ला, त्रिप्पूणितुरा, वडकरा, वर्कला, वडक्कांचेरि, कण्णूर।

******